>

Title: Need to put Jharkhand on the priority map of Railways.

**श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा):** सभापति महोदया, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं झारखंड राज्य से आता हूं और झारखंड राज्य के लिए एक बात कही जा सकती है कि झारखंड अमीर है, लेकिन झारखंडी गरीब हैं। रेलवे में जितनी लड़ाई होती है, उस पर मैं कह सकता हूं कि गरीब की लुगाई, सबकी भौजाई। चाहे बिहार के रेल मंत्री रहे हों, चाहे बंगाल के रेल मंत्री रहे हों, यदि किसी की सबसे ज्यादा उपेक्षा हुई है तो वह झारखंड की हुई है और झारखंड इस रेलवे को पचास परसैन्ट से ज्यादा रेवेन्यू देता है। यदि झारखंड पैसा देना बंद कर दें, यदि वहां से माल ढुलाई बंद हो जाए, स्टील की ढुलाई बंद हो जाए, कोयले की ढुलाई बंद हो जाए तो इस रेलवे का उसी दिन सत्यानाश हो जायेगा, यह बंद हो जायेगा। लेकिन झारखंड के छः प्रोजैक्ट्स. जिनमें पहली बार 67 परसैन्ट पैसा झारखंड की सरकार दे रही है। ऐसा आज तक कहीं नहीं हुआ, बिहार में एक भी ऐसा प्रोजैक्ट नहीं है, जिसमें बिहार सरकार ने पैसा दिया हो। बंगाल में एक भी ऐसा प्रोजैक्ट नहीं है, जिसमें बंगाल सरकार ने पैसा दिया हो। हम सबसे ज्यादा पैसा रेलवे को दे रहे हैं और इन छः प्रोजैक्ट्स में हम 67 परसैन्ट पैसा दे रहे हैं।

मेरी आपके माध्यम से सरकार रिक्वैस्ट है कि जो प्रोजैक्ट्स वर्ष 2007 में पूरे होने थे, वे आज तक पूरे नहीं हुए हैं और उनमें जो मुख्य रेल लाइन है, वह गिरीडीह से कोडरमा होते हुए हजारीबाग जा रही है। दूसरी लाइन दुमका, देवघर से होते हुए रामपुर हाट जा रही है। देवघर से वह भागलपुर जा रही है। भागलपुर से वह रामपुर हाट जा रही है। इस तरह की जो छः प्रोजैक्ट्स हैं, वे 2014 में कम्पलीट होने की बात हो रही है, जिसके कारण स्टेट का पांच सौ करोड़ रुपये प्रति साल हम रेवेन्यू लॉस कर रहे हैं, क्योंकि प्राइस ऐस्कलेट हो रहे हैं। इसीलिए मेरा आपसे आग्रह है कि जिस तरह से हसडीहा-गोड्डा रेल लाइन, मैं यह नहीं कहता कि आप इसमें पैसा मत दीजिए, मैं केवल यह कह रहा हूं कि जिस तरह से हसडीहा-गोड्डा रेल लाइन आपने अभी अनाउंस की है, उसी तरह से नये प्रोजैक्ट्स लीजिए। झारखंड को नये मैप में लाइये। विक्रमशिला से देवघर को जोड़िये। ये छः प्रोजैक्ट्स जल्दी से कम्पलीट कीजिए और रेलवे को इंस्ट्रक्शंस दीजिए कि वह अगला एमओयू इन सभी प्रोजैक्ट्स के लिए पचास परसैन्ट पर करे, जिससे कि झारखंड राज्य का भला हो सके। ~~vÃ‰xÂªÃ‰Â´Ã‰Ã‰n*~~